8:29

History-of-Re...
aosacademy.in

सुदूर संवेदन का इतिहास

1858 - गर्म हवा के गुब्बारे से पहली हवाई तस्वीर ली गई।

1903 – कबूतर के ऊपर कैमरा बांधकर पेटेंट कराया गया।

1914 – वश्व युद्ध के दौरान प्लेन पर कैमरे लगाए गए।

1947 – पहला अंतरिक्ष से लया गया चत्र जो 7 मार्च 1947 को लया गया।

यह तस्वीर एक स्वचा लत के-12 कैमरे द्वारा ली गई थी वाइ कंग साउं डंग रॉकेट के माध्यम से ब्लैक एंड व्हाइट इंफ्रारेड फल्म जो 227 कमी की ऊंचाई तक पहुंच गया।

1961 – एलेन शेपर्ड द्वारा जब वह मरक्यूरी-रेडस्टोन 3 (**MR-**3) अंतरिक्ष यान में थे तब पृथ्वी की बादल नुमा सतह को देखा गया। यह यूएस का पहला मानव सहित अंतरिक्ष यान था।

1972 - Landsat उपग्रह श्रृंखला को प्रक्षे पत करना चालू कया गया।

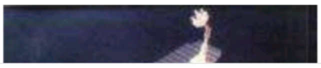

यूएस का पहला मानव सहित अंतरिक्ष यान था।

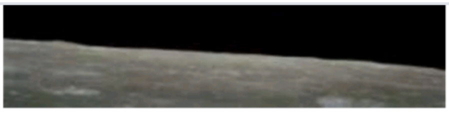

1972 - Landsat उपग्रह श्रृंखला को प्रक्षे पत करना चालू कया गया।

(इस सीरीज को पहले पृथ्वी संसाधन तकनीक उपग्रह (ERTS) के नाम से जाना जाता था) LANDSAT-1 को 23 जुलाई, 1972 को प्रक्षे पत कया गया। इस उपग्रह सीरीज द्वारा अब लगभग 45 साल का डाटा उपलब्ध है जो क लंबी समय सीमा के बदलाव का परीक्षण करने के लए बहुत उपयोगी हैं। जैसे - जलवायु परिवर्तन

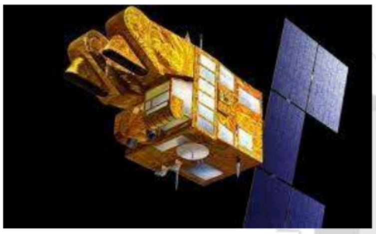

1986 – SPOT - फ्रांस का पृथ्वी प्रेक्षपण उपग्रह (10 PAN and 20 meter spatial resolution)

एक निम्न गुणवत्ता वाला चत्र + एक अच्छी गुणवत्ता वाला चत्र

- 1970-1980 – डजिटल इमेज प्रोसे संग में तेजी (2 dimensional matrix – pixel)
- 1980's – हाईपर स्पेक्ट्रल सेंसर का वकास
- 1990's – वैश्विक सुदूर संवेदन की शुरूआत

भारत में सुदूर संवेदन का वकास –

आर्यभ (19 अप्रैल, 1975) – पहली भारतीय उपग्रह

1979 – भास्कर 1 एवं 2 भारत के पहले सुदूर संवेदन उपग्रह

(2 कैमरे: दृश्य और अवरक्त के पास के क्षेत्र के व करण) जो क 19 और 22 GHz पर ऑपरेट होते है।.

8:29
History-of-Re...
aosacademy.in

* IRS प्रणाली (भारतीय सुदूर संवेदन प्रणाली), सुदूर संवेदन की वश्व की सबसे बड़ी प्रणाली हैं जिसमें 12 उपग्रह कार्यशील हैं।
* भारतीय सुदूर संवेदन कार्यक्रम मार्च 1988 में IRS 1-A के प्रक्षेपण के साथ चालू हुआ।
* हाल ही में CARTOS AT-2 ASTROSAT का प्रक्षेपण कया गया।

IRS – ID → पहली भारतीय IRS उपग्रह जिसे PSLV द्वारा भेजा गया।

IRS P6 – सबसे पुराना IRS उपग्रह जो अभी स र्वस में है 2003 से (Resourcesat – 1)

निष्क्रिय सुदूर संवेदन और स क्रय सुदूर संवेदन में अंतर -

निष्क्रिय सुदूर संवेदन

- इसमें कोई भी बाहरी उर्जा का स्त्रोत अलग से नहीं लगा होता।
- यह या तो सूर्य से आने वाली वकीरणों (केवल दिन के समय) या परम शून्य से ऊपर वाली वस्तुओं से निकलने वाले वकीरणों (दिन / रात) को भापते हैं। (दृश्य एवं अवरक्त वकीरण के पास)
- यह अलग-अलग प्रकार से प्रभा वत होते है और मौसम से प्रभा वत होते हैं।

स क्रय सुदूर संवेदन

- इसमें अपना खुदका ऊर्जा स्त्रोत होता हैं।
- स क्रय सेंसर नियंत्रित रूप से ऊर्जा की करणो की सतह की ओर भेजते हैं और परावर्तित हुई करणों को सेंसर के द्वारा नापते हैं।
- यह नियंत्रित प्रकाश सग्नल भेजते हैं जिनपर मौसम का प्रभाव नहीं होता। (उच्च तरंगदैर्ध्य)

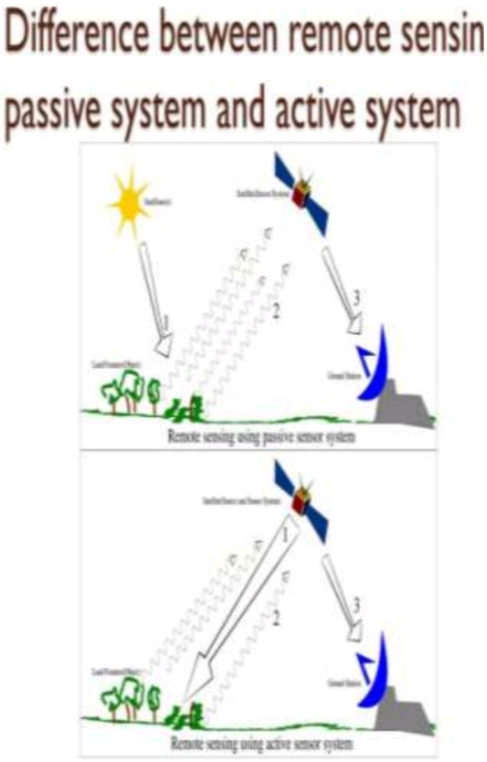

YOUR SUCCESS OUR PRIORITY
RAO'S AC
for Competi
(A unit of